7-9-67 ओम शान्ति रात्री क्लास

यह तो आवाज यहाँ-तहाँ है ही एक राज्य एक धर्म एक भाषा हो। नजदीक आता जाता है तो यह भी नूंध है कि यह आवाज निकलता ही रहेगा। बाबा ने चित्रों का ऑर्डर लिखा है 4x6 टिन पर बन जावे तो स्टेशन पर लग सके। लन्न के चित्र पर लिखना है कि यह डीटी राज्य सुख शान्ति पवित्रता का अब स्थापन हो रहा है। मुख्य चित्र है है है सीढ़ी झाड त्रिमूर्ती गोला। गीता का भगवान कौन? छै चित्र भी हो तो भी हर्जा नही है। देहली का बडा स्टेशन है बाम्बे का बडा स्टेशन है। करके 5-7 हजार रुपया का खर्चा होगा। जास्ती कारीगर लगा कर चित्र अच्छे-2 बनाने है। कनाट प्लेस में यह चित्र लगा देने चाहिये जो कि समझे कि 9वर्षों में एक राज्य एक धर्म एक भाषा स्थापन हो रही है। यह सतयुग में ही होता है। सतयुग होता है कलयुग के बाद। अक्षर बडे हो। प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा स्थापना देवी देवता धर्म की। इस महाभारत लडाई से पहले ही यह वर्सा प्राप्त कर सकते है। ऐसे ही पाँच सात चित्रों का कलेण्डर भी बना सकते हो। खर्चा तो होता है ना। लडाई आद में कितने पदमों का खर्चा होता है। तुम बच्चों का तो जैसे कि कुछ भी खर्चा नही है। वो है बाहुबल यह है याद बल। म्यूजियम भी देहली में बहुत भभके से हो जो कि मनुष्य समझे कि एक राज्य एक धर्म अब स्थापन हो रहा है। एनाउन्स करना चाहिये। मुख्य स्टेशन्स पर लगाना चाहिये। कुछ यह सर्विस कुछ म्यूजियम कुछ सेन्टर तो सर्विस वृद्धि को यूँ ही पाती ही जावेगी। पुरुषार्थ किया तो प्रालब्ध मिलती ही नही है। कही भी जाते हो तो बेज पडा ही हुआ हो जो कि मैसेज भी दे सकें। समझाकर फिर तो चीज दी जाती है ना। कौडियों की अन्दाज में राजधानी बन रही है। कुछ न कुछ ज्ञान मिलेगा तब ही वहाँ आवेंगे ना। अभी टाईम पड़ा है। बेजेज तो लाख बनने चाहिए। कोई बड़ा आदमी देखे तो अच्छा वाला दे दिया। कोई पैसे भी देंगे [illegible] सर्विस कर सकते हैं। मंदिरों में घाट पर भी सर्विस कर सकते हो। टाईम बहुत मिलता है। सिर्फ बच्चों से मेहनत पुजती नहीं। मनुष्य भक्ति मार्ग में एकदम चटक पड़े हो। भक्ति बिलकुल तमोप्रधान है। मेले आद में कितने धक्के खाते हैं। उन्हों को भक्ति की ही खुशी रहती हैं। यह सर्विस बिलकुल सिम्पल हैं। सहज याद और सृष्टि चक्र को जानना हैं। जितना जो जास्ती सर्विस करते हैं उतना ऊँच पद पाते हैं। यह भारत की सर्विस हैं ना। और कोई भारत को इतना ऊँच उठाये न सके। गायन हैं कि वन्देमातरम्। तो तुमको कितना बड़ा होना चाहिए। लज्जा करने से भूख मरेंगे 2। जन्मों के लिए। अपने लिए ही सब करते है। जो करेगा वह पावेगा। 5 विकारों को छोड़ना है। और बाप से वर्सा लेना है। कोई भी गंदा काम न करना है। रोज अपना चार्ट बनाने से बच्चों को खुशी होगी। नालेज तो बहुत अच्छी रीत मिल रही है। आत्मा क्या चीज हैं किसको पता थोड़े ही है। ईश्वर सर्वव्यापी कह देते हैं। जब पता पड़े कि आत्मा अविनाशी हैं हरेक आत्मा में अविनाशी पार्ट नूंधा हुआ है। यह अनादी अविनाशी ड्रामा हैं। जो रिपीट होता ही रहता हैं। संगम युग अभी ही आया हैं। नई और पुरानी के बीच को संगम कहा जाता हैं। नई दुनिया स्थापन होती पुरानी को विनाश जरूर होना हैं। अभी कितने अनेक धर्म हैं। अशान्ति जरूर होगी। सतयुग में तो हैं ही शान्ति। शान्ति देने वाला भी बेहद का बाप हैं। कोई छाढे में बैठ जाते है। फिर भी मास बाद निकलेंगे ना। तो अल्प काल की शान्ति हुई ना। नशा रहना चाहिए। बाबा हमको पढाते हैं। राजाई के लिए जरूर राजयोग सिखाया होगा। आधा कल्प भारत को वर्सा था। दूसरा कोई धर्म न था। तब गायन हैं प्राचीन भारत। किसम2 से बच्चों को समझाते रहते हैं। अब चक्र पूरा हुआ। हम घर जाते हैं। दुःख का कफन खलास। सभी सुख के कफन में जाते हैं। खुशी की खुशी रहनी चाहिए। तुम तो दुनिया के सारे चक्र को जानते हो। सारा दिन जिंद बुद्धी अपन साथ हम बाप को याद करेंगे। जंक को खतम करना हैं तब फिर बाप के साथ लव रहेगा। अपनी ही कमाई हैं। ओम

[illegible]